

Programme Code: D-07
Programme: पाणिनिव्याकरणपदविका-पाठ्यक्रमः
(Diploma in Panini Vyakarana)
Duration: 01 (One) Year
Medium: Sanskrit

- पाठ्यक्रम एकवर्षात्मको वर्तते।
- पाठ्यक्रमस्य पूर्णाङ्गकाः 400 निर्धारिताः।
- चत्वारि पत्राणि सन्ति, प्रत्येकस्मिन् पत्रे 80 अड्काः निर्धारिताः।
- गृहकार्ये 10 अड्काः, उपस्थितौ 10 अड्काश्च।
- पाठ्यक्रमः संस्कृतमाध्यमेनैव भवति।

| Course Code | Title | Internal | External | Marks |
|--------------|--------------------|----------|----------|------------|
| D- PV101 | संज्ञासन्धिज्ञानम् | 20 | 80 | 100 |
| D- PV102 | सुबन्तशब्दज्ञानम् | 20 | 80 | 100 |
| D- PV103 | कारकं समासश्च | 20 | 80 | 100 |
| D- PV104 | प्रत्ययज्ञानम् | 20 | 80 | 100 |
| Total | | | | 400 |

प्रथमपत्रम् - D- PV101
संज्ञासन्धिज्ञानम्
अड्का: 80

प्रथमभाग: –

- | | |
|--|----------------------|
| <p>1.1. संज्ञाप्रकरणम् - 15</p> <ul style="list-style-type: none"> 1.1.1. माहेष्वरसूत्राणि 1.1.2. प्रत्याहारज्ञानम् 1.1.3. इत्संज्ञा 1.1.4. लोपसंज्ञा 1.1.5. अनुनासिकसंज्ञा 1.1.6. सर्वर्णसंज्ञा 1.1.7. उच्चारणस्थानानि 1.1.8. प्रयत्नौ 1.1.9. संहितासंज्ञा 1.1.10. संयोगसंज्ञा 1.1.11. पदसंज्ञा | <p>अड्का:</p> |
|--|----------------------|

द्वितीयभाग: –

- | | |
|---|----------------------|
| <p>1.1. अच्सन्धिप्रकरणम् 20</p> <ul style="list-style-type: none"> 1.1.1. यणसन्धिः 1.1.2. अयादिसन्धिः 1.1.3. गुणसन्धिः 1.1.4. वृद्धिसन्धिः 1.1.5. दीर्घसन्धिः 1.1.6. पूर्वस्त्रैम् | <p>अड्का:</p> |
|---|----------------------|

तृतीयभाग: –

- | | |
|---|--|
| <p>1.1. हल्सन्धिप्रकरणम् 25 अड्का:</p> <ul style="list-style-type: none"> 1.1.1. श्रुत्वम् 1.1.2. ष्टुत्वम्, 1.1.3. जश्त्वम् 1.1.4. अनुस्वारः 1.1.5. परसर्वर्णः 1.1.6. पूर्वसर्वर्णः | |
|---|--|

1.1.7. डमुट्

1.1.8. छत्वम्

1.1.9. तुक्

चतुर्थभागः -

1.1. विसर्गसन्धिप्रकरणम् 20 अद्वकाः

4.1.1 सत्वम्

4.1.2 रूत्वविसर्गौ

4.1.3 रोरूत्वम्

4.1.4 रोर्यत्वम्

पाठ्यग्रन्थः -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी

सहायकग्रन्थाः -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी -

गोविन्दाचार्यः,

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – (भैमी व्याख्या)

भीमसेन शास्त्री,

भैमी प्रकाशन, दिल्ली।

3. व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः -

आचार्यलोकमणिदाहालः,

भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।

4. संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास –

युधिष्ठिरमीमांसकः,

भारतीय प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, अजमेर।

5. महाभाष्यम्(पस्पशाहिकम्) –

प्रो० जयशङ्करलालत्रिपाठी,

चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।

द्वितीयपत्रम् - D- PV102

सुबन्तशब्दज्ञानम्

अड्का: 80

प्रथमभाग: –

- | | |
|---|---------------|
| 1.1. अजन्तशब्दज्ञानम् - 40 | अड्का: |
| 1.1.1. रामशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.2. सर्वशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.3. हरिशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.4. सखिशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.5. बहुश्रेयसीशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.6. पतिशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.7. कतिशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.8. त्रिशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.9. क्रोष्टशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.10. पितृशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.11. गोशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.12. रमाशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.13. सर्वाशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.14. मतिशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.15. तिसृशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.16. द्विशब्द सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.17. गौरीशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.18. स्त्रीशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.19. ज्ञानशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.20. वारिशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.21. दधिशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.22. धातृशब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |

द्वितीयभाग: –

- | | |
|---|---------------|
| 1.1. अजन्तशब्दज्ञानम् - 40 | अड्का: |
| 1.1.1. लिह् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.2. चतुर् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |
| 1.1.3. किम् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम् | |

- 1.1.4. इदम् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.5. राजन् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्-
- 1.1.6. पथिन् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.7. पञ्चन् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.8. अष्टन् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.9. त्यद् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.10. तद् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.11. यद् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.12. एतत् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.13. युष्मद् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.14. अस्मद् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.15. महत् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.16. धीमत् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.17. भवत् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.18. षड् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.19. विद्वस् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.20. अदस् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.21. उपानह् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.22. अप् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.23. अहन् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.24. पयस् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्
- 1.1.25. धनुष् शब्दस्य सर्वासु विभक्तिषु सिद्धिज्ञानम्

पाठ्यग्रन्थः -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी ।

सहायकग्रन्थाः -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी -

गोविन्दाचार्यः,

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – (भैमी व्याख्या)

भीमसेन शास्त्री,

भैमी प्रकाशन, दिल्ली

3. अनुवाद चन्द्रिका –

डा. यदुनाथ मिश्रः,
चौखम्बा ओरियन्टलिया, वाराणसी।

4. रूपचन्द्रिका –

डा. शिवप्रसाद शर्मा,
चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

5. प्रौढरचनानुवादकौमुदी –

डा. कपिलदेव द्विवेदी,
विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

तृतीयपत्रम् - D- PV103

कारकं समासश्च

अड्काः 80

प्रथमभागः –

1.1. कारकप्रकरणम्(सिद्धान्तकौमुदी)

- | | | |
|---------------------------------|------|--------|
| 1.1.1. प्रथमाद्वितीयाकारके | - 15 | अड्काः |
| 1.1.2. तृतीयाचतुर्थीकारके | - 10 | अड्काः |
| 1.1.3. पञ्चमीषष्ठीसप्तमीकारकाणि | - 15 | अड्काः |

द्वितीयभागः –

2.1. समासः (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

- | | | |
|--------------------------------------|------|--------|
| 2.1.1. केवल-अव्ययीभाव-तत्पुरुषसमासाः | - 20 | अड्काः |
| 2.1.2. बहुव्रीहि-द्वन्द्व-समासान्ताः | - 20 | अड्काः |

सहायकग्रन्थाः –

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (द्वितीयो भागः)

गोविन्दाचार्यः,
चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी -

गोविन्दाचार्यः,
चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – (भैमी व्याख्या)

भीमसेन शास्त्री,
भैमी प्रकाशन, दिल्ली

4. अनुवाद चन्द्रिका –

डा. यदुनाथ मिश्रः,
चौखम्बा ओरियन्टलिया, वाराणसी।

5. रूपचन्द्रिका –

डा. शिवप्रसाद शर्मा,
चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

6. प्रौढरचनानुवादकौमुदी –

डा. कपिलदेव द्विवेदी,
विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

तृतीयपत्रम् - D- PV104
प्रत्ययज्ञानम्
अड्का: 80

प्रथमभाग: –

- 1.1. कृदन्तप्रत्ययज्ञानम् - 20 अड्का:**
- 1.1.1. तव्यत्
 - 1.1.2. तव्य
 - 1.1.3. अनीयर्
 - 1.1.4. क्यप्
 - 1.1.5. ण्यत्
 - 1.1.6. ण्वुल्
 - 1.1.7. तृच्
 - 1.1.8. ल्यु
 - 1.1.9. णिनि
 - 1.1.10. अच्
 - 1.1.11. अण्
 - 1.1.12. क्त
 - 1.1.13. क्तवतु
 - 1.1.14. शतृ
 - 1.1.15. शानच्
 - 1.1.16. तुमुन्
 - 1.1.17. घञ्
 - 1.1.18. क्तिन्
 - 1.1.19. क्त्वा
 - 1.1.20. णमुल्

द्वितीयभाग: –

- 2.1. तद्वितप्रत्ययज्ञानम् – 20 अड्का:**
- 2.1.1. अण्
 - 2.1.2. ण्य
 - 2.1.3. यत्
 - 2.1.4. इञ्
 - 2.1.5. तल्

- 2.1.6. वुन्
- 2.1.7. घ
- 2.1.8. ख
- 2.1.9. छ
- 2.1.10. ठञ्
- 2.1.11. इतच्
- 2.1.12. मतुप्
- 2.1.13. तसिल्
- 2.1.14. त्रल्
- 2.1.15. दा
- 2.1.16 थाल्
- 2.1.17. तरप्
- 2.1.18. ईयसुन्
- 2.1.19. तमप्

तृतीयभाग: -

- | | | |
|-------------|-------------------------------|------------------|
| 1.1. | स्त्रीप्रत्ययज्ञानम् - | 10 अड्का: |
| 1.1.1. | टाप् | |
| 1.1.2. | डीप् | |
| 1.1.3. | डीष् | |
| 1.1.4. | डीन् | |

चतुर्थभाग: -

- | | | |
|--|--|---------------|
| 4.1. तिड़न्तपदज्ञानम् | 30 | अड्का: |
| लट्-लृट्-लोट्-लड्-वि.लिड्-आ.लिड्-लुड्-क्षु निम्नधातूनां रूपसिद्धिज्ञानम् - | | |
| 1.1.1. | भ्वादिगणे - भू, गम्, दृश्, पा, स्था, पच्, श्रु, लभ्, याच्। | |
| 1.1.2. | अदादिगणे - अद्, अस्, इ, स्वप्, हन्, विद्, शीड्, इड्, ब्रौ। | |
| 1.1.3. | जुहोत्यादिगणे - हु, भी, दा, धा। | |
| 1.1.4. | दिवादिगणे - दिव्, नृत्, भ्रम्, युध्, जन्। | |
| 1.1.5. | स्वादिगणे - आप्, शक्, चि। | |
| 1.1.6. | तुदादिगणे - प्रच्छ्, लिख्, स्पृश्, तुद। | |
| 1.1.7. | रुथादिगणे - रुध्, भिद्, भुज्। | |
| 1.1.8. | तनादिगणे - तन्, कृ। | |
| 1.1.9. | ब्र्यादिगणे - बन्ध्, क्री, ग्रह्, ज्ञा। | |

1.1.10. चुरादिगणे - चुरू कथा, भक्षा।

पाठ्यग्रन्थः -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी

सहायकग्रन्थाः -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी -

गोविन्दाचार्यः,

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – (भैमी व्याख्या)

भीमसेन शास्त्री,

भैमी प्रकाशन, दिल्ली

3. अनुवाद चन्द्रिका –

डा. यदुनाथ मिश्रः,

चौखम्बा ओरियन्टलिया, वाराणसी।

4. रूपचन्द्रिका –

डा. शिवप्रसाद शर्मा,

चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

5. प्रौढरचनानुवादकौमुदी –

डा. कपिलदेव द्विवेदी,

विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

अध्ययनसामग्री –

1. <https://ia804705.us.archive.org/18/items/in.ernet.dli.2015.403262/2015.403262.Laghu-Siddhanta.pdf>
2. https://archive.org/details/3_20200913_20200913_1432/%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A5%83%E0%A4%A4%20%E0%A4%B5%E0%A5%8D%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%95%E0%A4%B0%E0%A4%A3%20%E0%A4%B6%E0%A4%BE%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%20%E0%A4%87%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%97-%201-%20%E0%A4%AF%E0%A5%81%E0%A4%A7%E0%A4%BF%E0%A4%A4%8D%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%BF%E0%A4%80%20%E0%A4%AE%E0%A5%80%E0%A4%AE%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%B8%E0%A4%95%20%E0%A4%9C%E0%A5%80/
3. <https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=OcXGfDp/okkJlTwP9YnKuA==#>
4. <https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.403527>
5. <https://ia801400.us.archive.org/23/items/in.ernet.dli.2015.362390/2015.362390.Siddhanta-Koumudi.pdf>